विषय-सूची

१—सच्चा समाज धर्म – (काका कालेलकर) १

२—प्रस्तावना ११

३—त्रिषष्टि शलाका पुरुष (तीर्थंकरोंकी ऊँचाई और आयुष्य, बुद्धोंके साथ तुलना) १–५

४—पार्श्वनाथकी कथा (धर्मोपदेश, पार्श्वनाथके शासन-देवता, पार्श्वनाथका निर्वाण, दिगम्बरोंका मतभेद, कथामें इतिहासका अभाव, क्या पार्श्वनाथ ऐतिहासिक नहीं थे ?) ५–१६

५—चातुर्याम धर्मका उद्गम और प्रचार (पार्श्वके धर्ममें महावीर और मक्खलि गोसाल, मक्खलि गोसाल नामका विपर्यास, आजीवक मतका विपर्यास) १७–२६

६—चातुर्याम धर्मका बुद्धद्वारा विकास २७–३२

७—योगसूत्रमें याम ३२

८—बौद्ध और जैन धर्मका प्रसार ३३

९—बौद्ध और जैन श्रमणोंका ह्रास (कालक कथा, बप्पभट्टि कथा, हेमचन्द्रसूरि, इन चरित्रोंका निष्कर्ष) ३४–४६

१०—जैन उपासक (आनन्द, कामदेव, चुलणी पिता, सुरादेव, चुल्लशतक, कुण्डकोलिक, शब्दालपुत्र, महाशतक, नन्दिनीपिता, सालिहीपिता) ४७–५७

११—श्रमणोंका आधार धनिक-वर्ग ५७–६४

१२—बाइबिलकी दस परमेश्वरी आज्ञाएँ (मूसाका पूर्वचरित्र, यहोवाका स्वभाव, ' हत्या मत करो ' आदि आज्ञाओंका अर्थ, यहोवा और दूसरे देवता, ईसा मसीहका यहोवा, सेंट पालका प्रचार, कान्स्टंटीन बादशाहका ईसाई धर्मको प्रश्रय) ६५–७८

१३—इस्लाम धर्मका प्रचार ७९
१४—तलवारके जोरपर ईसाई धर्मका प्रचार ८०
१५—राष्ट्रीयताका विकास, (राष्ट्रीयतापर सोवियतका इलाज, वह अन्य देशोंके लिए संभव नहीं, दो शक्तियोंकी टक्कर, मुख्य इलाज चातुर्यामोंका, राष्ट्रीयता नहीं चाहिए) ८१-८६
१६—धार्मिक साम्प्रदायिकतासे खतरा ८६
१७—कम्यूनिस्टोंका प्रचार, सोशलिस्टोंका प्रचार, सोवियत संघको पूँजीपतियोंसे भय, मुस्लिम लीगका क्या किया जाए ? ८७-९०
१८—चातुर्यामकी शिक्षा (इनके प्रयोगोंमें खतरा, अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य, अन्यव्रत, शरीरश्रम) ९१-१०१
१९—इतिहासकी शिक्षा १०२
२०—धार्मिक कसौटी १०६
२१—चातुर्याम ही हमारा देवता है १०८
२२—मारणान्तिक सल्लेखना १०९
२३—उपसंहार ११२